ELECTIVE COURSE 2 (EC 2)
PEDAGOGY OF SCHOOL SUBJECT: HINDI

Total Credits: 6
Total Marks: 100

उद्देश्य:

1. विद्यालयी पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों के महत्त्व को समझना।
2. भाषा सृजन के विविध पहलुओं को समझना व उनके अध्यापन हेतु विभिन्न विधियों व उपागमों का प्रयोग करना सीखना।
3. भाषा का अर्थ और उसकी प्रकृति एवम महत्त्व को समझना।
4. हिंदी भाषा अध्यापन के उद्देश्य, सिद्धांत, सूत्र एवम सहसम्बन्ध के उपयोग करने की क्षमता विकसित करना ।हिंदी भाषा अध्यापन द्वारा मूल्यों और कौशलों को विकसित करने में शिक्षक की भूमिका समझाना ।
5. हिंदी भाषा की विभिन्न विधाओं का परिचय कराना ।
6. हिंदी भाषा समृद्धि के लिए आधुनिक माध्यमों की जानकारी देना ।

मॉड्यूल १: हिंदी भाषा अध्यापन - सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य **(2 Credits)**

घटक १: शैक्षणिक विषयों के आधार

अ) शैक्षणिक विषयों का अर्थ एवम विशेषताएं
ब) अन्तः विषय अधिगम के लिए रणनीतियां / उपागम (समूह शिक्षण, अनुभावात्मक अधिगम)
क) शैक्षणिक विषयों के मुद्दे और चुनौतियां

घटक २: हिंदी भाषा की प्रकृति व महत्व

अ) भाषा का अर्थ, प्रकृति एवम उद्ध्येश्य:- माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर पर
ब) हिंदी भाषा का महत्व (मूल्य संवर्धन के परिप्रेक्ष्य में):- राष्ट्रीय स्तर पर(सामाजिक, बौद्धिक, संवेगात्मक, सांस्कृतिक, चारित्रिक) एवं वैश्विक स्तर पर
क) भाषा अध्ययन अध्यापन के सामाजिक आधार:- परिवार, विद्यालय, समवयस्क समूह, समुदाय एवं जनसंचार माध्यम

घटक ३: हिंदी भाषा के मनोवैज्ञानकि आधार एवं सहसम्बन्ध

अ) भाषा अध्यापन के सिद्धांत:- अनुकरण, रूचि, अभ्यास, बोलचाल, व्यक्तिगत विभिन्नता
ब) भाषा अध्यापन के सूत्र:- ज्ञात से अज्ञात, सरल से जटिल, पूर्ण से अंश, मूर्त से अमूर्त, सामान्य से विशिष्ट
क) भाषा का सहसम्बन्ध:- इतिहास, भूगोल, विज्ञान, अर्थशास्त्र, पर्यावरण, कला (हस्तकला, संगीत एवं नृत्य)

मॉड्यूल २: हिंदी भाषा सृजन के पहलू एवम कौशल (2 Credits)

घटक ४: भाषा सृजन के विविध पहलू

अ) गद्य, पद्य, व्याकरण एवम रचना: उद्देश्य
ब) विविध विधाओं का परिचय: जीवनी, संस्मरण, पत्र, संवाद, नाटक, कहानी, विज्ञापन, यात्रा वर्णन, निबंध, रिपोर्ताज़, फलक सूचना एवम आत्मकथा
क) विधियां व उपागम: कथा कथन, चर्चा, नाट्यीकरण, रसास्वादन, आगमन-निगमन, खेल, अभिरूप, एवम बुद्धिमंथन

घटक ५: भाषा कौशल

अ) श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन:- महत्त्व
ब) उपरोक्त कौशल विकसित करने हेतु शिक्षक की भूमिका (दोष एवम निवारण के सन्दर्भ में)
क) हिंदी अनुवाद का महत्त्व व आवश्यकता

घटक ६: भाषा समृद्धि के माध्यम

अ) संगणक एवम इंटरनेट: आवश्यकता व उपयोग
ब) वर्तमान पुस्तकालय का योगदान
क) पाठ्य सहगामी क्रियाएं एवम आयोजन

मॉड्यूल ३: अंतर्गत मूल्यांकन (2 Credits)

क्रम संख्या	विवरण	अंक
१	कार्य / दत्त कार्य सेमेस्टर के प्रत्येक मॉड्यूल से (२ x १०)	२०
२	सेमेस्टर में एक नियत कालीन कक्षा परीक्षा	१५
३	सेमेस्टर में विषय सम्बन्धी एक निबंध	५
	कुल योग	४०

दत्त कार्य / कार्य
1) किन्हीं दस हिंदी अध्यापन शिक्षकों के साथ साक्षात्कार करके वर्तमान समय में हिंदी की स्थिति देखते हुए आने वाली चुनौतियों की जानकारी पर रिपोर्ट तैयार कीजिये।

या

हिंदी का सहसमबन्ध पर्यावरण एवम विविध कलाओं (संगीत, नृत्य, हस्तकला) के साथ सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

2) घटक ४ - 'विविध विधाओं का परिचय ' से किन्हीं दो विधाओं के अध्यापन हेतु नमूना तैयार कीजिये।

या

किसी भी पत्रिका (अंग्रेजी, मराठी, उर्दू) के किसी एक लेख का हिंदी में अनुवाद कीजिये (सम्पूर्ण सन्दर्भ देना अनिवार्य है)।

सन्दर्भ सूची

- भाटिया एम. एम., नारंग सी. एल. : "हिंदी शिक्षण विधि", टंडन पब्लिकेशन्स, लुधियाना।
- भाटिया एम. एम., शर्मा डी. के. : "हिंदी शिक्षण विधियां ", टंडन पब्लिकेशन्स, लुधियाना।
- दुनाखे अरविन्द : "द्वितीय भाषा हिंदी आशायुक्त अध्यापन ", नित्य नूतन प्रकाशन, पुणे २००७।
- कादियान सुरेंदर : "हिंदी शिक्षण ", विनोद पब्लिकेशन्स, लुधियाना २०१०।
- जैन के. सी. : "हिंदी शिक्षण ", टंडन पब्लिकेशन्स, लुधियाना।
- पाठक आर. पी. : "हिंदी भाषा शिक्षण ", कनिष्क पब्लिकेशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली २०१०।
- पाण्डेय रामशकल : "हिंदी शिक्षण ", श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा २०१२।
- सूरी बृजबाला : "नवीन हिंदी अध्यापन शैली ", अनिमेष प्रकाशन, मुंबई २००९।
- शर्मा शिवा : "हिंदी शिक्षण विधियां ", नीलकमल पब्लिकेशर्स, प्रा. लि., नयी दिल्ली २०१०।
- सूरी बृजबाला : "नवीन हिंदी अध्यापन शैली ", क्षितिज प्रकाशन, पुणे २०१४।

Click here: First page